जन्म-नक्षत्र गोचर फल

आम तोर पर जन्म-राशि या जन्म-लग्न से प्रथमआदि द्वादश स्थानो मै गोचर ग्रहो के परिभ्रमण का फल-विचार किया जाता हे; किन्तु उसी भांति सूक्ष्म गोचर फलादेश के लिए जन्म-नक्षत्र से शुरू कर क्रमश: अग्रिम 26 नक्षत्रो मे गोचर ग्रेहो के परिभ्रमन का फल विचार ब करना चाहिये ! जन्म- नक्षत्र पर कोई ग्रह आने से वह पहला, उससे अगले नक्षत्र पर जाने से दूसरा,दूसरे से अगले नक्षत्र पर जाने से तीसरा इत्यादि गिना जाता है; एसी क्रम से 27 नक्षत्रो पर नो ग्रहो के परिभ्रमण का फल

* सूर्य का नक्षत्र फल *

1 ----नाश

2–से_5---- धन लाभ

6_से_9----सहलता

10_से_13----धन लाभ

14_से_19----धन लाभ

20_से_23----देह-पीड़ा

24_से_25----लाभ

26_से_29---- मृत्यु-भय

चंद्र का नक्षत्र-फल

1_से_2----बहुत भय

3_से_6----कुशल क्षेम

7_से_8----शत्रु पर विजय

9_से_10----अर्थ-प्राप्ति

11_से_15----आनन्द

16_से_18----झगड़ा

19_से_24---- परदेश- गमन

25_से_27----धन-लाभ

* मंगल का नक्षत्र का फल*

1_से_2----दुर्घटना

3_से_8---- कलह

9_से_11----सिद्धि

12_से_15----धन-नाश

16_से_17----लाभ

18_से_21----भय

22_से_25----सुख

26_से_27----प्रवास

बुध,शुक्र ऑर गुरु का नक्षत्र-फल

1_से_3---- चिंता

4_से_6----लाभ

7_स_12-----अनर्थ

13_से_17----धन लाभ

18_से_19----नाश

20_से_27----मान-कीर्ति-लाभ

शनि,राहू,केतु का नक्षत्र-फल

1_----दु:ख

2_से_5----सुख

6_से_8----प्रवास

9_से_11----नाश

12_से_15----लाभ

16_से_20----विलास

21_से_25----शुभ

26_से_27----भय